

छत्तीसगढ़ के पहले ज़ीरो वेस्ट, अत्याधुनिकि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण

चर्चा में क्यों?

26 अप्रैल, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर दक्षिण विधानसभा में भेंट-मुलाकात के दौरान भाटागाँव में 80 एमएलडी क्षमता का छत्तीसगढ़ का पहला ज़ीरो वेस्ट, अत्याधुनिकि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिये नगर नगिम रायपुर के 9 बैक हो लोडर गाड़ियों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- अत्याधुनिकि जल शोधन संयंत्र लगभग 15 करोड़ 86 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है।
- इस संयंत्र का संचालन लैमैला ट्यूब सेटलर पद्धति से किया जाएगा। यह पूरी तरह से स्वचलित प्रणाली पर आधारित है।
- मुख्यमंत्री ने नवनर्मित जल शोधन संयंत्र के संचालन की पूरी प्रक्रिया और तकनीकी जानकारियाँ ली और कंट्रोल रूम का अवलोकन भी किया। इस मौके पर भी उन्होंने भाटागाँव में ही दो पुराने जल शोधन संयंत्रों के उन्नयन के बाद इसे लोकार्पण किया। इन पुराने जल शोधन संयंत्रों की क्षमता बढ़ाई गई है।
- नगर नगिम के अधिकारियों ने बताया कि नवनर्मित जल शोधन संयंत्र से राजधानी रायपुर को टैंकरमुक्त कर पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही पुराने शोधन संयंत्रों के आधुनिकीकरण और क्षमता वसितार से भी राजधानी टैंकरमुक्त हो सकेगी।
- भाटागाँव में पहले से स्थापित 150 एमएलडी के फ़िल्टर प्लांट में भी क्षमता बढ़ाने के लिये छह नये मोटर पंप लगाए गए हैं। इन नये मोटर पंपों से 1706 क्यूबिक मीटर प्रतिघंटा पानी देने वाले संयंत्र की क्षमता बढ़कर 2046 क्यूबिक मीटर प्रतिघंटा हो गई है। इसी तरह 80 एमएलडी के पुराने फ़िल्टर प्लांट में भी छह नये मोटर स्थापित किये गए हैं। इस संयंत्र की क्षमता 954 से बढ़कर 995 क्यूबिक मीटर प्रतिघंटा हो गई है।





PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-s-first-zero-waste-state-of-the-art-water-treatment-plant>

